This question paper contains 4+1 printed pages]

6007

LL.B. (First Year) EXAMINATION, 2018

INTERPRETATION OF STATUTES PRINCIPLES OF LEGISLATION

Paper VII

Time allowed : Three Hours

Maximum Marks : 100

Part A (खण्ड 'अ') [Marks : 5×8=40]

*Answer all questions in Part A (**150** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

खण्ड 'अ' में से ***सभी*** *प्रश्न करने अनिवार्य हैं ।*

*प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **150** शब्दों से अधिक न हो ।*

***सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

Part B (खण्ड 'ब') [Marks : 4×15=60]

*Answer any four questions (**300** words each).*

***All** questions carry equal marks.*

*किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।*

*प्रत्येक प्रश्न का उत्तर **300** शब्दों से अधिक न हो ।*

***सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।*

P.T.O.

Part A (खण्ड 'अ')

1. Write short notes on the following :

निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(*i*) Doctrine of Natural Justice

नैसर्गिक न्याय का सिद्धान्त

(*ii*) Non-obstance clause

सर्वोपरि खण्ड (अध्यारोही खण्ड)

(*iii*) Circumstances affecting sensibility of Pain and Pleasure

सुख व दु:ख की संवेदनशीलता को प्रभावित करने वाली परिस्थितियाँ

(*iv*) Contemporanea expositio est fortissima in lege

तत्कालिन व्याख्या सर्वोत्तम और प्रभावी होती है

(*v*) Ejusdem Generis

सजाति अर्थान्वयन

Part B (खण्ड 'ब')

2. "The cardinal rule for the construction of Act of Parliament is that they should be construed according to the intention expressed in the Act themselves." Discuss.

"संसद के अधिनियमों के अर्थान्वयन के लिए आधारभूत नियम यह है कि उन्हें अधिनियमों में ही स्पष्ट किये गये आशय के अनुसार अर्थान्वयित किया जाना चाहिये।" व्याख्या कीजिए।

3. The Street Offences Act 1959 prohibited solicitation by prostitutes in the public streets. The prostitutes attract the attention of passer-by from balconies and windows. Is it a street offence ? Decided by applying a relevant rule of interpretation.

वेश्याओं द्वारा लोकमार्गों (पब्लिक स्ट्रीट) पर ध्यान आकर्षण (याचना) को सड़क अपराध अधिनियम (स्ट्रीट ऑफेन्सेज एक्ट) 1959 के द्वारा निषिद्ध कर दिया गया। वेश्याएँ झरोखों और खिड़कियों से भावी ग्राहकों का ध्यान आकर्षित करती थीं। क्या यह एक सड़क (इन ए स्ट्रीट) अपराध है ? निर्वचन के प्रासंगिक नियम के प्रयोग से स्पष्ट कीजिये।

4. Which rule is known as a 'Primary Rule' of Interpretation ? Explain the Primary Rule of Interpretation with decided cases.

निर्वचन के 'प्राथमिक नियम' के नाम से कौनसा नियम जाना जाता है ? निर्वचन के प्राथमिक नियम को निर्णित वादों की सहायता से समझाइये।

5. Define a Penal Statute. What are the various presumptions in regard to Penal Statutes ?

दण्ड कानून को परिभाषित कीजिए। दण्ड कानूनों के सम्बन्ध में विभिन्न उपधारणाएँ क्या हैं ?

6. Discuss fully the Principle of Harmonious Construction. Is this principle in construction of provisions of Subordinate Legislation ?

सामंजस्यपूर्ण अर्थान्वयन के सिद्धान्त की पूर्ण व्याख्या कीजिए। क्या यह सिद्धान्त अधीनस्थ विधायन के प्रावधानों के अर्थान्वयन में भी लागू होता है ?

7. What do you mean by "Individualistic Utilitarianism"? Discuss the "Principle of Antipathy and Sympathy" in the light of "Principle of Utility".

''व्यक्तिवादी उपयोगितावाद'' से आप क्या समझते हैं ? ''विद्वेष एवं सहानुभूति के सिद्धान्त'' की व्याख्या ''उपयोगिता के सिद्धान्त'' के परिप्रेक्ष्य में कीजिये।

8. "While interpreting an enactment the court may modify its natural meaning to such an extent as to avoid absurdity, injustice or hardship." Critically examine the statement.

''किसी अधिनियम का निर्वचन करते समय न्यायालय उसके स्वाभाविक अर्थ को उस सीमा तक रूपान्तरित कर सकता है जिससे निरर्थकता, अन्याय या कष्ट समाप्त हो जाये।'' इस कथन का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिये।